

विष्णुजी

पुस्तक संख्या ५०३५
 १९५९
 पुस्तक संख्या ५०३५
 पुस्तक संख्या ५०३५

संपादक:- ज्यो० प्रेमनाथशास्त्री

२०४४
 ००५६



#16

मं० म० उ०

५०३५

५०३५

विष्णुजी

Regd. No. 982

Price As. -/9/-



सुभउ
 भ
 भकुभ
 उभभ
 भ
 सुभ
 भ
 भउ
 भउ
 गभस

म० उ०
 भा०
 म० म० य०
 उ० म० म०
 भा०
 म० उ० न०
 भा० य०
 भा० उ० म०
 म० उ०
 म० म० य०

नाम भवत्पुत्रायः
५-१० जेधवक्ष्यति
विषयिह भदसृ नाम-
उद्धाडी उरिनानि ११

विरयेसरथंयाद्गभा ५३५

मुद्रकलेन गडबक्ष्यति
२९७८- वरवदा-
गरासीभक्तभूषणपुत्र

मेधरितानि ६३ मुद्रः
उद्धाडी उरिनानि १

मेधरितानि ९३० मद्रवक्ष्यति यतः ॥ भट्टी सैमः ॥ पञ्चाशियः वरः ॥ रभापिथः सनिः ॥ वनेमः
गुरुः ॥ कुलेमः मद्रुः ॥ कल्लेमः सुदः ॥ एकाधणीपतिः सैमः । विष्टापतिः सैमः ॥ अष्टपिण्डगुरुः
नीगमापिथे गुरुः ॥ मेधापिथः सैमः । बक्ष्याहगाडी शिपुकापी ॥ गुन्ते दिनी ॥ वक्ष्ये लापिठुमः

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

[illegible]

मध्यमिषु ५-३५ सूर्योदय १० ममी सुबके भित्ति बरणी लसु रं म कंग। अथवागः १३ ५१। प्रीमाकः ०३३०
विक्रममे ९-०६ राहं ०८०० मिश्रं २५ प. वल्लुक भित्ति उद्योगीय सत्रयीली दसु भलिम रुग ग्रीसः ०७ ५७

[illegible]

०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००

भारतसिंह म. ३५ वैशाख १९ अठ्ठ मेषु सिद्धि भीषक कर्कशी लक्ष्मि पंथ कंठ अग्रनामः १३ अ० ३
 सि. सं ३००५ मं १३ ३० भि. सं २९ १७ अष्टमि अष्टमि उरुवी व अत्रयी लक्ष्मि सिद्धि अलेखी मकरादिके

०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००
०१	०२	०३	०४	०५	०६	०७	०८	०९	१०	११	१२	१३	१४	१५	१६	१७	१८	१९	२०	२१	२२	२३	२४	२५	२६	२७	२८	२९	३०	३१	३२	३३	३४	३५	३६	३७	३८	३९	४०	४१	४२	४३	४४	४५	४६	४७	४८	४९	५०	५१	५२	५३	५४	५५	५६	५७	५८	५९	६०	६१	६२	६३	६४	६५	६६	६७	६८	६९	७०	७१	७२	७३	७४	७५	७६	७७	७८	७९	८०	८१	८२	८३	८४	८५	८६	८७	८८	८९	९०	९१	९२	९३	९४	९५	९६	९७	९८	९९	१००

भंगडा ३५ वैसुकि ३५ भिमुव भिठैछु अंरणी पंम कंगभीकं सुममांसं ३३ ५१ ५ श्रीमकमं ०३ ३०
विठुभासिहं ३०० सतं ०३ • भिमु ५१ उम भंठै सुमिष भुवनी रणी भंछु अंरणी रंग रंक

CC-0. Late Pt. Manmohan Shastri Collection Jammu. Digitized by eGangotri

[illegible]

महाराष्ट्र राज्य सरकार, पंचायत समिति, ३५ ९९, वायव्य कठिण, मध्य रंग कंग मीळ, गयनांवा, ९३, पृ. ०. विश्वमस ३-००
मकम ०३३० मस ०९ ०७ मिस २१ २० रस डिसेम्बर मस मजबूतीची मल्लोस दस ठाक

[illegible]

৩.	২.	৩০	৩১	৩২	৩৩	৩৪	৩৫	৩৬	৩৭	৩৮	৩৯	৪০	৪১	৪২	৪৩	৪৪	৪৫	৪৬	৪৭	৪৮	৪৯	৫০	৫১	৫২	৫৩	৫৪	৫৫	৫৬	৫৭	৫৮	৫৯	৬০	৬১	৬২
১	২	৩	৪	৫	৬	৭	৮	৯	১০	১১	১২	১৩	১৪	১৫	১৬	১৭	১৮	১৯	২০	২১	২২	২৩	২৪	২৫	২৬	২৭	২৮	২৯	৩০	৩১	৩২	৩৩	৩৪	৩৫
৩৬	৩৭	৩৮	৩৯	৪০	৪১	৪২	৪৩	৪৪	৪৫	৪৬	৪৭	৪৮	৪৯	৫০	৫১	৫২	৫৩	৫৪	৫৫	৫৬	৫৭	৫৮	৫৯	৬০	৬১	৬২	৬৩	৬৪	৬৫	৬৬	৬৭	৬৮	৬৯	৭০
৩১	৩২	৩৩	৩৪	৩৫	৩৬	৩৭	৩৮	৩৯	৪০	৪১	৪২	৪৩	৪৪	৪৫	৪৬	৪৭	৪৮	৪৯	৫০	৫১	৫২	৫৩	৫৪	৫৫	৫৬	৫৭	৫৮	৫৯	৬০	৬১	৬২	৬৩	৬৪	৬৫
৭১	৭২	৭৩	৭৪	৭৫	৭৬	৭৭	৭৮	৭৯	৮০	৮১	৮২	৮৩	৮৪	৮৫	৮৬	৮৭	৮৮	৮৯	৯০	৯১	৯২	৯৩	৯৪	৯৫	৯৬	৯৭	৯৮	৯৯	১০০	১০১	১০২	১০৩	১০৪	১০৫
৭৬	৭৭	৭৮	৭৯	৮০	৮১	৮২	৮৩	৮৪	৮৫	৮৬	৮৭	৮৮	৮৯	৯০	৯১	৯২	৯৩	৯৪	৯৫	৯৬	৯৭	৯৮	৯৯	১০০	১০১	১০২	১০৩	১০৪	১০৫	১০৬	১০৭	১০৮	১০৯	১১০

मं ०५ सुधाकमुद्रि ३५ ०५ मिश्र कर्कषु यंगु मिश्र टंस का भीक मुद्रमंजा: १३ ५१ ०५

विश्राम नं०-१०७ अंक ०३ १० मिनट ५७ प्रश्न क्रमांक ६९ विभीरु भण्डार मुद्रणीय कार उपक के

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

संयुक्त प्रयोगशाला के पद कक्षा में शिक्षक के रूप में कार्य करने वाले हैं।
विद्यमान सं. १-०२ एवं ३ में शिक्षक पद सुखी प्रत्येक विषय में अलग-अलग है।

[illegible]

100	2	34	37	100	1	3	113	4	101	5	104	2	104	3	104	4	104	5	104	6	104	7	104	8	104	9	104	10	104	11	104	12	104	13	104	14	104	15	104	16	104	17	104	18	104	19	104	20	104	21	104	22	104	23	104	24	104	25	104	26	104	27	104	28	104	29	104	30	104	31	104	32	104	33	104	34	104	35	104	36	104	37	104	38	104	39	104	40	104	41	104	42	104	43	104	44	104	45	104	46	104	47	104	48	104	49	104	50	104	51	104	52	104	53	104	54	104	55	104	56	104	57	104	58	104	59	104	60	104	61	104	62	104	63	104	64	104	65	104	66	104	67	104	68	104	69	104	70	104	71	104	72	104	73	104	74	104	75	104	76	104	77	104	78	104	79	104	80	104	81	104	82	104	83	104	84	104	85	104	86	104	87	104	88	104	89	104	90	104	91	104	92	104	93	104	94	104	95	104	96	104	97	104	98	104	99	104	100	104	101	104	102	104	103	104	104	104	105	104	106	104	107	104	108	104	109	104	110	104	111	104	112	104	113	104	114	104	115	104	116	104	117	104	118	104	119	104	120	104	121	104	122	104	123	104	124	104	125	104	126	104	127	104	128	104	129	104	130	104	131	104	132	104	133	104	134	104	135	104	136	104	137	104	138	104	139	104	140	104	141	104	142	104	143	104	144	104	145	104	146	104	147	104	148	104	149	104	150	104	151	104	152	104	153	104	154	104	155	104	156	104	157	104	158	104	159	104	160	104	161	104	162	104	163	104	164	104	165	104	166	104	167	104	168	104	169	104	170	104	171	104	172	104	173	104	174	104	175	104	176	104	177	104	178	104	179	104	180	104	181	104	182	104	183	104	184	104	185	104	186	104	187	104	188	104	189	104	190	104	191	104	192	104	193	104	194	104	195	104	196	104	197	104	198	104	199	104	200	104	201	104	202	104	203	104	204	104	205	104	206	104	207	104	208	104	209	104	210	104	211	104	212	104	213	104	214	104	215	104	216	104	217	104	218	104	219	104	220	104	221	104	222	104	223	104	224	104	225	104	226	104	227	104	228	104	229	104	230	104	231	104	232	104	233	104	234	104	235	104	236	104	237	104	238	104	239	104	240	104	241	104	242	104	243	104	244	104	245	104	246	104	247	104	248	104	249	104	250	104	251	104	252	104	253	104	254	104	255	104	256	104	257	104	258	104	259	104	260	104	261	104	262	104	263	104	264	104	265	104	266	104	267	104	268	104	269	104	270	104	271	104	272	104	273	104	274	104	275	104	276	104	277	104	278	104	279	104	280	104	281	104	282	104	283	104	284	104	285	104	286	104	287	104	288	104	289	104	290	104	291	104	292	104	293	104	294	104	295	104	296	104	297	104	298	104	299	104	300	104	301	104	302	104	303	104	304	104	305	104	306	104	307	104	308	104	309	104	310	104	311	104	312	104	313	104	314	104	315	104	316	104	317	104	318	104	319	104	320	104	321	104	322	104	323	104	324	104	325	104	326	104	327	104	328	104	329	104	330	104	331	104	332	104	333	104	334	104	335	104	336	104	337	104	338	104	339	104	340	104	341	104	342	104	343	104	344	104	345	104	346	104	347	104	348	104	349	104	350	104	351	104	352	104	353	104	354	104	355	104	356	104	357	104	358	104	359	104	360	104	361	104	362	104	363	104	364	104	365	104	366	104	367	104	368	104	369	104	370	104	371	104	372	104	373	104	374	104	375	104	376	104	377	104	378	104	379	104	380	104	381	104	382	104	383	104	384	104	385	104	386	104	387	104	388	104	389	104	390	104	391	104	392	104	393	104	394	104	395	104	396	104	397	104	398	104	399	104	400	104	401	104	402	104	403	104	404	104	405	104	406	104	407	104	408	104	409	104	410	104	411	104	412	104	413	104	414	104	415	104	416	104	417	104	418	104	419	104	420	104	421	104	422	104	423	104	424	104	425	104	426	104	427	104	428	104	429	104	430	104	431	104	432	104	433	104	434	104	435	104	436	104	437	104	438	104	439	104	440	104	441	104	442	104	443	104	444	104	445	104	446	104	447	104	448	104	449	104	450	104	451	104	452	104	453	104	454	104	455	104	456	104	457	104	458	104	459	104	460	104	461	104	462	104	463	104	464	104	465	104	466	104	467	104	468	104	469	104	470	104	471	104	472	104	473	104	474	104	475	104	476	104	477	104	478	104	479	104	480	104	481	104	482	104	483	104	484	104	485	104	486	104	487	104	488	104	489	104	490	104	491	104	492	104	493	104	494	104	495	104	496	104	497	104	498	104	499	104	500	104	501	104	502	104	503	104	504	104	505	104	506	104	507	104	508	104	509	104	510	104	511	104	512	104	513	104	514	104	515	104	516	104	517	104	518	104	519	104	520	104	521	104	522	104	523	104	524	104	525	104	526	104	527	104	528	104	529	104	530	104	531	104	532	104	533	104	534	104	535	104	536	104	537	104	538	104	539	104	540	104	541	104	542	104	543	104	544	104	545	104	546	104	547	104	548	104	549	104	550	104	551	104	552	104	553	104	554	104	555	104	556	104	557	104	558	104	559	104	560	104	561	104	562	104	563	104	564	104	565	104	566	104	567	104	568	104	569	104	570	104	571	104	572	104	573	104	574	104	575	104	576	104	577	104	578	104	579	104	580	104	581	104	582	104	583	104	584	104	585	104	586	104	587	104	588	104	589	104	590	104	591	104	592	104	593	104	594	104	595	104	596	104	597	104	598	104	599	104	600	104	601	104	602	104	603	104	604	104	605	104	606	104	607	104	608	104	609	104	610	104	611	104	612	104	613	104	614	104	615	104	616	104	617	104	618	104	619	104	620	104	621	104	622	104	623	104	624	104	625	104	626	104	627	104	628	104	629	104	630	104	631	104	632	104	633	104	634	104	635	104	636	104	637	104	638	104	639	104	640	104	641	104	642	104	643	104	644	104	645	104	646	104	647	104	648	104	649	104	650	104	651	104	652	104	653	104	654	104	655	104	656	104	657	104	658	104	659	104	660	104	661	104	662	104	663	104	664	104	665	104	666	104	667	104	668	104	669	104	670	104	671	104	672	104	673	104	674	104	675	104	676	104	677	104	678	104	679	104	680	104	681	104	682	104	683	104	684	104	685	104	686	104	687	104	688	104	689	104	690	104	691	104	692	104	693	104	694	104	695	104	696	104	697	104	698	104	699	104	700	104	701	104	702	104	703	104	704	104	705	104	706	104	707	104	708	104	709	104	710	104	711	104	712	104	713	104	714	104	715	104	716	104	717	104	718	104	719	104	720	104	721	104	722	104	723	104	724	104	725	104	726	104	727	104	728	104	729	104	730	104	731	104	732	104	733	104	734	104	735	104	736	104	737	104	738	104	739	104	740	104	741	104	742	104	743	104	744	104	745	104	746	104	747	104	748	104	749	104	750	104	751	104	752	104	753	104	754	104	755	104	756	104	757	104	758	104	759	104	760	104	761	104	762	104	763	104	764	104	765	104	766	104	767	104	768	104	769	104	770	104	771	104	772	104	773	104	774	104	775	104	776	104	
-----	---	----	----	-----	---	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	---	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	--

संवत् ३५ कार्तिक ३० ३३ सिमरपुर केकरा क्षेत्र में भीड़ प्रदर्शन। ३३ ३४ ३५ साक; ०३५०
 विरामभंडारी ३-०५ रात ०८०० भिन्न नम ०७ प्रकाश उक्त ठे मध्य प्रीति नरभुजा प्रतीति कर उक्त के

[illegible]

[illegible]

0034	0035	0036	0037	0038	0039	0040	0041	0042	0043	0044	0045	0046	0047	0048	0049	0050	0051	0052	0053	0054	0055	0056	0057	0058	0059	0060	0061	0062	0063	0064	0065	0066	0067	0068	0069	0070	0071	0072	0073	0074	0075	0076	0077	0078	0079	0080	0081	0082	0083	0084	0085	0086	0087	0088	0089	0090	0091	0092	0093	0094	0095	0096	0097	0098	0099	0100	0101	0102	0103	0104	0105	0106	0107	0108	0109	0110	0111	0112	0113	0114	0115	0116	0117	0118	0119	0120	0121	0122	0123	0124	0125	0126	0127	0128	0129	0130	0131	0132	0133	0134	0135	0136	0137	0138	0139	0140	0141	0142	0143	0144	0145	0146	0147	0148	0149	0150	0151	0152	0153	0154	0155	0156	0157	0158	0159	0160	0161	0162	0163	0164	0165	0166	0167	0168	0169	0170	0171	0172	0173	0174	0175	0176	0177	0178	0179	0180	0181	0182	0183	0184	0185	0186	0187	0188	0189	0190	0191	0192	0193	0194	0195	0196	0197	0198	0199	0200	0201	0202	0203	0204	0205	0206	0207	0208	0209	0210	0211	0212	0213	0214	0215	0216	0217	0218	0219	0220	0221	0222	0223	0224	0225	0226	0227	0228	0229	0230	0231	0232	0233	0234	0235	0236	0237	0238	0239	0240	0241	0242	0243	0244	0245	0246	0247	0248	0249	0250	0251	0252	0253	0254	0255	0256	0257	0258	0259	0260	0261	0262	0263	0264	0265	0266	0267	0268	0269	0270	0271	0272	0273	0274	0275	0276	0277	0278	0279	0280	0281	0282	0283	0284	0285	0286	0287	0288	0289	0290	0291	0292	0293	0294	0295	0296	0297	0298	0299	0300	0301	0302	0303	0304	0305	0306	0307	0308	0309	0310	0311	0312	0313	0314	0315	0316	0317	0318	0319	0320	0321	0322	0323	0324	0325	0326	0327	0328	0329	0330	0331	0332	0333	0334	0335	0336	0337	0338	0339	0340	0341	0342	0343	0344	0345	0346	0347	0348	0349	0350	0351	0352	0353	0354	0355	0356	0357	0358	0359	0360	0361	0362	0363	0364	0365	0366	0367	0368	0369	0370	0371	0372	0373	0374	0375	0376	0377	0378	0379	0380	0381	0382	0383	0384	0385	0386	0387	0388	0389	0390	0391	0392	0393	0394	0395	0396	0397	0398	0399	0400	0401	0402	0403	0404	0405	0406	0407	0408	0409	0410	0411	0412	0413	0414	0415	0416	0417	0418	0419	0420	0421	0422	0423	0424	0425	0426	0427	0428	0429	0430	0431	0432	0433	0434	0435	0436	0437	0438	0439	0440	0441	0442	0443	0444	0445	0446	0447	0448	0449	0450	0451	0452	0453	0454	0455	0456	0457	0458	0459	0460	0461	0462	0463	0464	0465	0466	0467	0468	0469	0470	0471	0472	0473	0474	0475	0476	0477	0478	0479	0480	0481	0482	0483	0484	0485	0486	0487	0488	0489	0490	0491	0492	0493	0494	0495	0496	0497	0498	0499	0500	0501	0502	0503	0504	0505	0506	0507	0508	0509	0510	0511	0512	0513	0514	0515	0516	0517	0518	0519	0520	0521	0522	0523	0524	0525	0526	0527	0528	0529	0530	0531	0532	0533	0534	0535	0536	0537	0538	0539	0540	0541	0542	0543	0544	0545	0546	0547	0548	0549	0550	0551	0552	0553	0554	0555	0556	0557	0558	0559	0560	0561	0562	0563	0564	0565	0566	0567	0568	0569	0570	0571	0572	0573	0574	0575	0576	0577	0578	0579	0580	0581	0582	0583	0584	0585	0586	0587	0588	0589	0590	0591	0592	0593	0594	0595	0596	0597	0598	0599	0600	0601	0602	0603	0604	0605	0606	0607	0608	0609	0610	0611	0612	0613	0614	0615	0616	0617	0618	0619	0620	0621	0622	0623	0624	0625	0626	0627	0628	0629	0630	0631	0632	0633	0634	0635	0636	0637	0638	0639	0640	0641	0642	0643	0644	0645	0646	0647	0648	0649	0650	0651	0652	0653	0654	0655	0656	0657	0658	0659	0660	0661	0662	0663	0664	0665	0666	0667	0668	0669	0670	0671	0672	0673	0674	0675	0676	0677	0678	0679	0680	0681	0682	0683	0684	0685	0686	0687	0688	0689	0690	0691	0692	0693	0694	0695	0696	0697	0698	0699	0700	0701	0702	0703	0704	0705	0706	0707	0708	0709	0710	0711	0712	0713	0714	0715	0716	0717	0718	0719	0720	0721	0722	0723	0724	0725	0726	0727	0728	0729	0730	0731	0732	0733	0734	0735	0736	0737	0738	0739	0740	0741	0742	0743	0744	0745	0746	0747	0748	0749	0750	0751	0752	0753	0754	0755	0756	0757	0758	0759	0760	0761	0762	0763	0764	0765	0766	0767	0768	0769	0770	0771	0772	0773	0774	0775	0776	0777	0778	0779	0780	0781	0782	0783	0784	0785	0786	0787	0788	0789	0790	0791	0792	0793	0794	0795	0796	0797	0798	0799	0800	0801	0802	0803	0804	0805	0806	0807	0808	0809	0810	0811	0812	0813	0814	0815	0816	0817	0818	0819	0820	0821	0822	0823	0824	0825	0826	0827	0828	0829	0830	0831	0832	0833	0834	0835	0836	0837	0838	0839	0840	0841	0842	0843	0844	0845	0846	0847	0848	0849	0850	0851	0852	0853	0854	0855	0856	0857	0858	0859	0860	0861	0862	0863	0864	0865	0866	0867	0868	0869	0870	0871	0872	0873	0874	0875	0876	0877	0878	0879	0880	0881	0882	0883	0884	0885	0886	0887	0888	0889	0890	0891	0892	0893	0894	0895	0896	0897	0898	0899	0900	0901	0902	0903	0904	0905	0906	0907	0908	0909	0910	0911	0912	0913	0914	0915	0916	0917	0918	0919	0920	0921	0922	0923	0924	0925	0926	0927	0928	0929	0930	0931	0932	0933	0934	0935	0936	0937	0938	0939	0940	0941	0942	0943	0944	0945	0946	0947	0948	0949	0950	0951	0952	0953	0954	0955	0956	0957	0958	0959	0960	0961	0962	0963	0964	0965	0966	0967	0968	0969	0970	0971	0972	0973	0974	0975	0976	0977	0978	0979	0980	0981	0982	0983	0984	0985	0986	0987	0988	0989	0990	0991	0992	0993	0994	0995	0996	0997	0998	0999	1000
------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------

अथ कालः १७।५२ तुम्हारे लगे भिक्षु एक का भीका भिक्षु ३४ भिक्षु विष्णु सुप्रभाती प्रभु अनेक
ग दिन के दिना न म म ति म प ये म प सुयनमः ५१ उ३ माकः ०३३०। विरभसं-३००

[illegible]

9.1 4	9.3 12	9.5 15	9.0 18	9.0 21	9.0 24	9.0 27	9.0 30	9.0 33	9.0 36	9.0 39	9.0 42	9.0 45	9.0 48	9.0 51	9.0 54	9.0 57	9.0 60
5 5	5 7	5 7	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3	5 3
02 35	04 00	05 34	07 00	07 34	08 00	08 34	09 00	09 34	10 00	10 34	11 00	11 34	12 00	12 34	13 00	13 34	14 00
44 20	44 .	44 00	44 34	45 00	45 34	46 00	46 34	47 00	47 34	48 00	48 34	49 00	49 34	50 00	50 34	51 00	51 34
3 22	04 30	3. 35	23 33	5 40	3. 47	43 00	03 3	24 2	03 35	23 33	04 03	20 05	22 42	0 2.			
5. 343	5. 345	5. 345	5. 344	5. 352	5. 352	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353	5. 353
0. 45	03 44	04 47	03 47	9. 03	93 5	93 93	94 23	97 0	97 39	3. 25	93 45	34 .	34 35	37 25			

अथ काशिका ३१ ३३ डि. अ. के. री. व. सु. मि. सु. रं. म. का. भी. के. सु. य. नं. मा. ११ ५१ ३५
वि. क. म. म. १. ०१ न. रं. ०१ ३७ मि. सु. ३३ १० सु. अ. के. सु. य. व. सु. उ. का. सु. र. अ. ल. वी. म. उ. का. के. ३५

[illegible]

[illegible]

मं. ७५ भाजवदि ७५ ४५ अमुयगु कुं ठी कंसुग रंस मीको। सुयनांसा ७७ ५१ ३१ साकमे ०३०
विक्रमादिभयहा ७.०७ १०७ ०३ भिगु म्पु म्पु विमुठे सुत्रवीर हुरणी रुस अलेनीम उछरा उछके

[illegible]

सं. प. १५ भातमुठि वर मड ई मुठोनी उंसुदीव गंस कर भीक जयनामा: ९३ मा ७७ संक. संकट
विश्रमसं: ३००७ शर्त ०१ उर भिसु एड ९६ सुत्रपुटी विधीष कोणी भिसु मुल्लेनीम उठाा उठाके उंगित ७८

[illegible]

[illegible]

मेयड ३५ भाभयमि ७८ ५३ मंजु ०८६ सुलीम यंजु कंर मीके ३३ ५१ २१ नकसं ०३५०

मि.मंभडा १००१ गंत ०१ ३० मिसू न० ११ उपासु मल्लारी को प्रथा वस सुसु उठाया उठाके अ३ म

[illegible]

33. 334 35. 314 34. 344										3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										. 00. 9.					
00	00	0.	0.	0.	0.					7	7	7	7	7	7	7	7	7	7	3	3	3		0	0
0	0	97	93	9.	9.					0.	5	5	3	3	5	5	30	97	9	3	00		93	0.	93
30		40	34	25	30					45	95	30	9	3	35	47	50	0	55	90	34		33	09	
33	23	48	34	04	25					30	30	30	03	33	49	54	39	34	2.		92	50	34	93	
00	00	27	22	03	03					3	7	7	9	9	7	0.	00	03	00	0.	7	9		13	7.
45	05	03	15	2	43					05	132	192	05	133	05	99	59	9	5.			9.		3	22
3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										. 00. 9.					
5	8	9	3	3	3	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2	2
2	04	95	5	07	95	2	00	05	07	03	03	7	3	2	0	05	93	0	00	89	3	02	95	7	09
42	05	92	20	03	03	42	3.	7	43	3	23	0	33	5	3	0	23	20	23	2	02	23	03	24	49
00	22	43	5	28	30	41	23		45	3	33	37	33	9	99	3	9		03	33	7	80	27	37	20
33	67	59	59	59	49	49	97	97	9	05	33	97	05	80	80	80	22	42	52	52	50	50	50	70	73
02	4.	93	33		02	02	43	43		7.	7.	13	23	30	30	30	33	33	33	27	8	9	85	45	3
3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										. 00. 9.					
3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
02	00	0.	5	5	4	5	5	5	00	02	03	9.	93												
0	20	3.	3	33	42	24	20	90	44	03	29	97													
22	23	05	3	34	2.	23		07	07	02	00	40													
3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										. 00. 9.					
72	72	72	74	73	73	72	72			0	2	4	3	0	3	4	5	7	5	2	0				
33	3	33	3	45	45	33	33			0	197	104	137	13	20	47	30	47	23	0	1	23			
3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										3. 5. 7. 03. 04. 05. 30. 35. 37. 31. 33. 35.										. 00. 9.					
04	3.	24	5.	74	0.	04	09.	034	04.	014	05.	094	90.	934	95.	944	97.	934	31.	304	93.	344	33.		
4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4	4
00	03	03	07	05	04	02	02	03	09	00	0.	0.	0	3	7	5	5	4	2	3	3	3	0		
34	23		03	22	37	20	0	02	95	03	20	3	04	97	20	43	2	07	90	20	42	5	03	3.	
23	0	00	37	44	03	30	29	7	44	23	0	07	34	43	00	90	27	4	93	20	9	07	34	43	
3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3
00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00	00

याज्ञ के लिये योगिनी-यन्त्र-रूप-विषय है —

हिमा ।	यः	संभावयोगिनी ।	रुक्मिणी	प्रीति का यन्त्र ।	वांशं यन्त्र ।
प्रज ।	संभ नति	प्रति नय ।	भय इय	मि उं ऊ	कं यं भी
पद्मि ।	रवि मरु हेम ।	धृष्टी मरु ।	किरी रम	मं मिं उं	मं कं यं
रुक्मि ।	रवि मरु	यः इय	धृष्टी मरु	कं यं भी	मं मिं उं
उड्ड ।	हेम यः मरु	किरी रम	प्रति नय	मं कं यं	मि उं ऊ

याज्ञ के लिये योगिनी यन्त्र-रूप उड्ड है —

हिमा	यः	संभावयोगिनी	प्रीति का योगिनी	संभावयोगिनी	रुक्मिणी यन्त्र
प्रज ।	यः	यः मरु	मं मिं उं	मं कं यं	
पद्मि ।	यः	यः इय	प्रति नय	मि उं ऊ	कं यं भी
रुक्मि ।	यः	यः मरु	किरी रम	मं कं यं	मि उं ऊ
उड्ड ।	यः	यः मरु	यः इय	कं यं भी	मं मिं उं

याज्ञ के लिये उड्ड नयज्ञ —

मन्त्रि. यं. मन्त्र. यं. डि. उं. ऊ. म. उं.
 याज्ञ के लिये विषय नयज्ञ
 क. त. मन्त्र. मन्त्र. मं. मि. सु. वि.
 याज्ञ के लिये भयनयज्ञ
 उं. उता. उता. उता. प्रता. प्रता. प्रता.
 हे. प्र. म. { सं. कयः सुतामं
 याज्ञ के लिये विषय विधि
 य. य. न. हा. मं. प्र. सं. सुतामं प्रति
 भाता. संता. डि { मन्त्रमा का. उं.
 विषय विग — कान्त. उं. उं. उं. उं.
 उतामं भयनयज्ञ वरुमा

	सुगन्ध के का मय	गति वि. सं.	गिनक	नियत मय	यन्त्र का नाम	रूप	उपाय
सुगन्ध के का मय	१.०७ ११ कडक मं	यं	१.०८ १२ कडक मं	० यज्ञ ३ मां १ दिन	पारु पा	सुगंध	उत्तम का मय
	१.०८ १२ कडक मं	उं	१.०९ १३ कडक मं	० यज्ञ ३ मां १ दिन	रुक्मिणी पा	सुगंध	उत्तम का मय
	१.०९ १३ कडक मं	मं	१.१० १४ कडक मं	० यज्ञ ३ मां १ दिन	पारु पा	सुगंध	उत्तम का मय
सुगन्ध के का मय	१.०८ १२ कडक मं	यं	१.०९ १३ कडक मं	० यज्ञ ३ मां १ दिन	पारु पा	सुगंध	उत्तम का मय
	१.०९ १३ कडक मं	उं	१.१० १४ कडक मं	० यज्ञ ३ मां १ दिन	रुक्मिणी पा	सुगंध	उत्तम का मय
	१.१० १४ कडक मं	मं	१.११ १५ कडक मं	० यज्ञ ३ मां १ दिन	पारु पा	सुगंध	उत्तम का मय

सुगन्ध के का मय

मं	मं	मं
मं	मं	मं
मं	मं	मं

सुगन्ध के का मय

मं	मं	मं
मं	मं	मं
मं	मं	मं

सुगन्ध के का मय

मं	मं	मं
मं	मं	मं
मं	मं	मं

द्वितीय नगरभरिजी हाथने
 की गिठि बिमुग भेअपुवें
 भाधुपग लायी द्वे :—

क'समीर-मरपेक्ष' ३.

क. म. वि. - ग. वि. प. ड. लि. ३.

लक्ष्मणसिंह

यह दैनिक लगभग ४००
प्रकाश से है, हम मासिक के
द्वारा के लिए एकत्रित करने
की व्यवस्था नहीं है

दैनिक लगभग १०० मि. गड तक पत्र लग १०८ रोज ३० मि. गड से ३ रोज ७ मि. गड तक मकरी लग।

[illegible]

[illegible]

नैतिक लक्ष्यमादिनी सुधारभास के लिये। एव सुधार के मुद्दय में १००० मि ५५: ५६ मि ५७ लक्ष

[illegible][illegible]

हृदिपति धूमनाथ जगदीश कान्तिनाथ महाविद्यालय कान्तिनाथ

[illegible]

गजसङ्गतिः मङ्गल

गुह्यसूत्राय नमः

अदृष्ट	समृद्ध	कर्मभू	वृष्टि	पुं:	मुक्त्य	वनः	प्रज्ञा
अ-दृ-ष्ठा	अ-सु-	अ-ग-र्हा	अ-सु-	अ-ग-र्हो	य-म-	य-नु-	मश्वः
उ-म-	x x	वा-	म-	वा-न-	अ-म-	अ-ग-र्हो	मिश्रि
य	हि-गु-मु-मा	ज-न-	हि-गु-मा	म-	हि-रा-	ली-	मधुः

उ	अ	इ	ए	ऊ	ओ	क
अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ
अ	अ	अ	अ	अ	अ	अ

रिपने की विधि — मेथानिका अद उम्, उल्लिखित
का अद नीम लमे दी १०० ग्राम का विचार की गिछे।

[illegible]

इति च न्यायमविनीतं यथा नाम कं लिख्ये। तस्मात्पक्षकं सुदृश्यं स ७ रणे ०५ भिन्नः पुनः उक्तं पत्रं लघु ०९ रणे ०६ भिन्नः
गुरु से ३ रणे ३२ भिन्नः गुरु उक्तं कर्ता लघु। दशरं ५- भिन्नः गुरु उक्तं पुनः लघु १० रणे ०० भिन्नः गुरु उक्तं धै लघु।

[illegible]

विषमममरमिदम्

सबका हित देने की दिशि—

ठालुकायका मकूम

ॐ मि मिं त्र णं कुं विष्णुस्यः

विषमासि सुम उक्क ठल्ल-

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ संमः

व क कं वं म मी मभक्षयः

वक्र में ५ म ०५ संम उक -

ਰਾਜਾ. ਜੀ. ਧਰਮ. ਕਮਲ. ਮਾਤਾਵਲੁ ਵਿਖਾਨ

उक्त अष्टादशकं चं ईषीते

ਮਤਾ ਕਸ਼. ਧਰਾ ਕੁਮਾ ਰਾਜਵੰਸ਼ ਮਮ

[illegible]

पूजायामात्र				सुकम्पठनमात्र			
दिन	दिन	दिन	दिन	पक्ष	पक्ष	पक्ष	पक्ष
प्रथम पूजा	द्वितीय पूजा	तृतीय पूजा	चतु. पूजा	प्रथम पूजा	द्वितीय पूजा	तृतीय पू.	चतु. पूजा
गणेश स्था	महीश्वर	पञ्चदेव	वज्रनाभः	वज्रशक्तिः	स्वर्णशक्ति	पार्वती	गणेश

इष्टांश की विधि — दिनपरिभाषा के अङ्कों की विधि दिन के प्रथम भाग में सुकम्पठन के पक्ष के अङ्कों पर आधारित है।

त्रैजिक लघुभाषिणी कव्य-सामक विधि। लैस 3 कवीय के अद्यय से उरु 99 भिनट पूरु: ऊक कुल्ल

[illegible][illegible]

0	1	2	3	4	5	6	7	8	9	0	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	00	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----

का प्रकार के पंथों, अग्रसारणियों कृषि एवं रंगार एतदभिव्यक्ति मिलन का संकेत :

विरूयेश्वरहृदिकान्नय

सीनगर कुल
विश्वविद्यालय

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
विंसे डीरमाय सुतुगलि

विंसे डीरमाय सुतुगलि

← : ३१ : ३१ : ३१ : ३१

अदरि- विंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि										मरुविंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि										विंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि																
वसु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.
अम.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	०	१	५	०	१	५	०	५	५	०	१	५	०	१	५	०	५	५	०	१	५	०	१	५	०	५	५
दिन.	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०	१	५	०	१	५	०	५	५	०	१	५	०	१	५	०	५	५	०	१	५	०	१	५	०	५	५

गुरुविंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि										मरुवरुलि ३३ उमहोतुगलि										मरुवरुलि ३३ उमहोतुगलि																			
अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५
३	१	५	०	७	००	०	५	५	५	३	१	५	०	७	००	०	५	५	५	३	१	५	०	७	००	०	५	५	५	३	१	५	०	७	००	०	५	५	
०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	

वरुवरुलि ३३ उमहोतुगलि										कुरुवरुलि ३३ उमहोतुगलि										मरुवरुलि ३३ उमहोतुगलि																			
अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अ.	३	१	५	०	७	००	०	५	५
३	१	५	०	७	००	०	५	५	५	३	१	५	०	७	००	०	५	५	५	३	१	५	०	७	००	०	५	५	५	३	१	५	०	७	००	०	५	५	
०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	०३	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	

अदरि- विंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि										मरुविंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि										विंसे डीरमा- वरुलि ३३ उमहोतुगलि																			
वसु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.	वसु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.	वसु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.	वसु.	अ.	य.	क.	ग.	ली.	स.	व.	क.	सु.
अम.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अम.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अम.	३	१	५	०	७	००	०	५	५	अम.	३	१	५	०	७	००	०	५	५
दिन.	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	दिन.	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	दिन.	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५	दिन.	०३	०	५	५५	०३	०३	५	५	५

सुवस्तुकभयन — रमा के लिये कुछ ठेका बनाना सुवस्तुक है, जमलिये यदा कुछ ठेका बनाने की विधि लिखी लकी है — रमा ममय ली नकाउ दे उम का कयाउ (रमा ममय उक शिउना नकाउ लकीउ दे गया दे) रमा ठेका (कुलनकर) रमा का उम के पलादि रमा का कयाउ के पले के रमा रमा के वरु गम में रमा ठेका के पले से काग में लकी लकीउ रमा के वरु सुवने से मके ०३ में गम का ठेका से काग में लकी भाग सुवने से मके ०३ में गम का ठेका का काग में लकी दिन सुवने यदी कुछ रमा के वरु भाग दि देउ दे। रमा ममय की रमा के कुल वरु में से भाग का ठेका रमा सुती है।



मिलने का पता :—

१. विजयेश्वरज्योतिषकार्यालय बिजबिहारा बाश्मीर
२. विजयेश्वरज्योतिषकार्यालय श्रीनगर (कालखुड)
३. गोविन्दजूनवधारा गणेशघाट श्रीनगर

मुहूर्तप्रकरण में शुद्धि कीजिये:—

यज्ञोपवीत. २१ अक्टोबर पंचमी को ६ बजे ६ मिन्ट (वृं)

। वाह:—१ अगस्त द्वादशी ११ बजे ४० मि०

६ अगस्त द्वितीया ११ बजे २० मि० दिन से ।